

भारत द्वारा क्यूबसैट मानक अपनाना

[स्रोत: लाइवमटि](#)

हाल ही में भारत द्वारा [क्यूबसैट](#) हेतु वैश्विक मानकों को अपनाया जाना, [वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था](#) में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के क्रम में भारत की महत्त्वाकांक्षा का प्रतीक है।

क्यूबसैट:

- **क्यूबसैट मानक** का आशय एक मॉड्यूलर उपग्रह ढाँचे (**1 इकाई (U) = 10 cm³, ≤1.33**) से है जो मानक ड्रिलॉयर्स के साथ संगत होने के साथ जसिमें एक समान आयाम, नमिन गैस उत्सर्जन वाली सामग्री, कलि स्वचि तथा कठोर परीक्षण की आवश्यकता होती है।
 - मानक क्यूबसैट में **10x10x10 सेमी मापन वाली "एक इकाई" या "1U"** का अनुसरण किया जाता है और **इसे 1.5, 2, 3, 6 और यहाँ तक कि 12U** जैसे बड़े आकारों तक बढ़ाया जा सकता है।
- **भारतीय मानक ब्यूरो (उपभोक्ता मामले वभाग की एक शाखा)**, शैक्षिक और अनुसंधान संगठनों को **वाणज्यिक घटकों के साथ क्यूबसैट** विकसित करने में सहायता करता है, जसिसे एक लागत प्रभावी उपग्रह विकल्प मलित है।
 - **उदाहरण:** भारतीय विश्वविद्यालयों ने **इसरो** के सहयोग से कई छात्र-नरिमति उपग्रहों को प्रकषेपित किया है। **JUGNU (IIT कानपुर)** और **KalamSAT (स्पेस कडिज़ इंडिया)** इसके उल्लेखनीय उदाहरण हैं।
- **भारत का अंतरिक्ष कषेत्र:**
 - भारत का लक्ष्य **अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था** (जो वर्तमान में **8 बलियिन अमेरिकी डॉलर** है) को **वर्ष 2040 तक 100 बलियिन अमेरिकी डॉलर** तक पहुँचाना है।
 - सरकार ने अंतरिक्ष कषेत्र को नजी कंपनियों के लिये खोलने के साथ विकास एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने के क्रम में **1,000 करोड़ रुपए का उद्यम पूंजी कोष** नरिधारित किया है।
- **संशोधित FDI नीति** के तहत अंतरिक्ष कषेत्र में **100% FDI** की अनुमति दी गई है।

और पढ़ें: [नजी कषेत्र के सहयोग से नरिमति पहला नेवगिशन उपग्रह](#)